संपादकीय

नाम में धड़कता शहर

इलाहाबाद का नाम बदलकर प्रयागराज किए जाने के पीछे की मंशा समझना मुश्किल नहीं है। बीजेपी की सरकारें उन तमाम नामों से छुटकारा चाहती हैं, जिनका संबंध उनकी नजर में किसी न किसी रूप में इस्लाम या मुस्लिम संप्रदाय से है। इसी सोच के तहत कुछ समय पहले मुगलसराय जंक्शन का नाम बदला गया। अब इलाहाबाद का नाम इसलिए बदला गया है क्योंकि यह नाम मुगल सम्राट अकबर के दिए नाम का एक बदला हुआ रूप है। हालांकि बीजेपी प्रत्यक्ष तौर पर इस बात को स्वीकार नहीं करती। उसकी दलील यह रहती है कि वह शहरों के मूल या प्राचीन नाम को फिर से स्थापित करना चाहती है। लेकिन सचाई यह है कि भारत में कई शहरों के एकाधिक नाम रहे हैं। अलग-अलग कालखंडों में नए नाम आते हैं, साथ में पुराने भी चलते रहते हैं। लोग इन सबको बखूबी जानते हैं और अपनी सुविधा और जरूरत के हिसाब से बरतते रहते हैं। बनारस के ही तीन नाम हैं। कुछ लोग उसे बनारस बोलते हैं तो कुछ काशी, जबकि सरकारी कामकाज में वाराणसी का प्रयोग होता है। खुद हमारे देश के कम से कम तीन नाम समान शक्ति से चलन में हैं। ऐसा कभी सुना नहीं गया कि एक जगह के कई नाम होने से किसी को कोई दिक्क त हो रही हो। नाम बदलने के लिए तर्क यह भी दिया जाता है कि विदेशियों के दिए नाम हम क्यों ढोएं? लेकिन जिन शहरों ने साम्राज्यवादी काल के नाम छोड़ दिए, वहां क्या हालात बहुत अच्छे हो गए? क्या कलकत्ता या मद्रास के कोलकाता और चेन्नई हो जाने से लोगों में अपने परिवेश के प्रति अधिक जवाबदेही आ गई? गुड़गांव के गुरुग्राम हो जाने से क्या वहां की रातें महिलाओं के लिए सुरक्षित हो गईं? जो नाम हटा दिए जाते हैं, वे जन स्मृतियों से बाहर नहीं जाते। लेकिन एक नाम का हटना सिर्फ एक संबोधन का मिटना नहीं, एक इतिहास का धुंध में जाना होता है। 1575 में संगम के सामरिक महत्व को देखते हुए सम्राट अकबर ने 'इलाहाबास' के नाम से शहर स्थापित किया। संभव है, इलाहाबास 'दीन-ए-इलाही' से प्रेरित हो, जिसकी बुनियाद 'सुलह कुल' थी। एक ऐसी सोच, जिसके तहत हर धर्म से जुड़े व्यक्ति को वासना और घमंड जैसी बुरी प्रवृत्तियों को छोड़कर संयम और शालीनता जैसी अच्छी प्रवृत्तियां अपनाने को कहा जाता था। यानी समावेश और विविधता इस शहर की नींव में है। जो भी इस शहर में रहा, उसने खुद के 'इलाहाबादी' होने पर फख्र किया। यह अकबर इलाहाबादी, फिराक, निराला, महादेवी और बच्चन का शहर है। इलाहाबाद का नाम सामने आते ही इलाहाबाद विश्वविद्यालय और हाईकोर्ट की तस्वीर उभरती है। समय बीतने के साथ एक नाम बहुत सारी चीजों से अभिन्न रूप से जुड़ता जाता है। इलाहाबादी अमरूद क्या कभी प्रयागराज से पहचाना जाएगा? शहरों के नाम पर राजनीति बंद होनी चाहिए।

7वां वेतन आयोग : केंद्रीय कर्मचारियों को सैलरी बढ़ा सकती है सरकार

नई दिल्ली। इसातवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू होने का इंतजार सबको है. मीडिया रिपोर्ट्स में केंद्रीय कर्मचारियों को बढ़ी हुई सैलरी का फायदा नए साल में देने की बात कही जा रही है लेकिन, कितनी इजाफा होगा, इस पर कोई स्थिति साफ नहीं है. उधर, कर्मचारी अपनी मांग को लेकर सरकार पर लगातार दबाव बढ़ा रहे हैं. सरकार भी अगले साल होने वाले आम चुनाव से पहले कोई जोखिम नहीं लेना चाहती इसलिए कोई समधान निकालने की तैयारी कर रही है. हमारी सहयोगी सरकार लोकसभा चुनाव से पहले केंद्रीय कर्मचारियों की बेसिक पे बढ़ा सकती है. वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ

अधिकारी का दावा है कि सरकार फिटमेंट फैक्टर में बढ़ोतरी करेगी. इससे केंद्रीय कर्मचारियों की बेसिक पे 3000 रुपए तक बढ़ सकती है. फिटमेंट फैक्टर 2.57 गुना से बढ़ाकर 3 गुना किया जा सकता है. हालांकि, केंद्रीय कर्मचारियों की मांग है कि फिटमेंट फैक्टर को बढ़ाकर 3.68 गुना किया जाए. अगर सरकार फिटमेंट फैक्टर को 3 गुना करती है तो कर्मचारियों की बेसिक पे 18000 रुपए से बढ़कर 21000 रुपए हो जाएगी. 7वें वेतन आयोग ने केंद्रीय कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन 18 हजार रुपए करने की सिफारिश की थी. हालांकि, कर्मचारी इसे बढ़ाकर 26 हजार रुपए करने की मांग कर रहे हैं.

26 जनवरी को ऐलान संभव

केंद्र सरकार वेतन बढ़ोतरी की घोषणा कब करेगी, इसे लेकर अभी कुछ भी स्पष्ट नहीं है. सूत्रों के मुताबिक, वेतन बढ़ोतरी की घोषणा नए साल में होगी. 26 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्रीय कर्मचारियों के लिए बड़े ऐलान कर सकते हैं. वित्त मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, बढ़ी हुई सैलरी का फायदा जनवरी 2019 से मिलेगा. दरअसल, आम चुनाव से पहले यही ठीक वक्त है जब केंद्रीय कर्मचारियों के लिए ऐलान किया जा सकता है.

बजट बिगाड़ सकता है मूड

वित्त मंत्रालय के सूत्रों की मानें तो वित्तीय घाटा को स्थिर रखने और आगामी चुनाव को देखते हुए बजट में कुछ घोषणाएं होने की संभावना है क्योंकि केंद्रीय कर्मियों को अतिरिक्त तोहफा देकर सरकार बोझ बढ़ाने के मूड में नहीं है. केंद्र सरकार अपने अंतिम पूर्ण बजट को भी ध्यान में रखेगी. इसलिए सरकार ऐसी कोई घोषणा नहीं करेगी, जिसका असर उसके खजाने पर पड़े. ज्यादा बोनस या सैलरी देने से सरकार को वित्तीय बोझ उठाना पड़ सकता है.

एरियर का फायदा नहीं मिलेगा

सूत्रों की मानें तो सातवें वेतन आयोग के तहत बढ़ी हुई सैलरी और फिटमेंट फैक्टर अगर लागू होता है तो कर्मचारियों को एरियर का फायदा नहीं मिलेगा. कुछ समय पहले भी मीडिया रिपोर्ट में यह बात सामने आई थी कि सरकार एरियर देने के मूड में नहीं है. वहीं, सरकार के वित्तीय सलाहकारों ने वेतन वृद्धि से अतिरिक्त बोझ पड़ने की बात कही थी.

सप्ताह भर में दस रुपए तक बढ़ी कीमतें, महंगा हुआ प्याज

नई दिल्ली। उत्पादक राज्यों से आपूर्ति में बाधा आने से पिछले दस दिनों में राष्ट्रीय राजधानी में प्याज की थोक कीमतें 23 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गयी। व्यापारियों के एक संगठन ने यह बात कही। खुदरा बाजारों में भी प्याज की कीमतों में तेजी आई है और यह 30 से 40 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गयी है। आलू एवं प्याज व्यापारी संघ (आजादपुर मंडी) के महासचिव राजेंद्र शर्मा ने कहा, पिछले दस दिनों में प्याज के भाव में 7 से 10 रुपये की उछाल आया है। उन्होंने कहा, नयी खरीफ फसल की आपूर्ति अब भी पूरी तरह से शुरू नहीं हुई है क्योंकि त्योहार के कारण किसानों ने कटाई शुरू नहीं की है।

इस बीच, एशिया की सबसे बड़ी थोक प्याज मंडी लासलगांव (नासिक जिले) में प्याज की कीमतें 21-22 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गयी हैं। जबकि एक वर्ष पहले इसी अवधि में यहां प्याज की कीमत 15 रुपये किलो थी। महाराष्ट्र, गुजरात, ओडिशा, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार और राजस्थान प्रमुख उत्पादक राज्य हैं।

इन ग्राहकों की जियो सिम हो जाएगी बंद - जाने वजह

नई दिल्ली। पिछले दो वर्षों में टेलिकॉम क्षेत्र में कई सारे बदलाव हो रहे हैं जिसमें रिलायंस जियो का योगदान रहा है. वर्ष 2016 में शुरुआत करने वाली रिलायंस जियो ने करीब

6 महीने मुफ्त डेटा ऑफर और सस्ते डेटा प्लान्स के द्वारा बेहद कम समय में पूरे भारत में करोड़ो ग्राहकों को जोड़ा है. लेकिन अब इन जियो ग्राहकों पर गहरा संकट आ गया है.बताना चाहेंगे कि जियो सिम को कंपनी द्वारा केवल आधार वेरिफिकेशन द्वारा उपलब्ध कराया हुआ है. उन सभी के जियो नम्बर बंद हो सकते हैं. खबर के अनुसार सिम खरीदते समय आधार के साथ अन्य कोई दस्तावेज ना लगाने की वजह से ग्राहकों के लिए मुसीबतें बढ़ गयी हैं. हालाकि इसके लिए टेलिकॉम विभाग ने टेलिकॉम कंपनियों और आधार प्राधिकरण से समाधान हेतु बात की है. बताना चाहेंगे की जियो एकमात्र ऐसी टेलिकॉम कंपनी है जिसने सबसे अधिक सिम आधार वेरिफिकेशन द्वारा उपलब्ध कराए हैं. हालाकि अन्य टेलिकॉम कंपनियों के सिम भी आधार से जुड़े होने की वजह से उन ग्राहकों पर खतरा मंडरा रहा है.

घरेलू उद्योगों के हितों की रक्षा के लिए चीन की कुछ किस्मों के आयात पर लगा डंपिंग रोधी शुल्क

नई दिल्ली। भारत ने घरेलू उद्योगों के हितों की रक्षा के लिए चीन से इस्पात की कुछ किस्मों के आयात पर पांच वर्ष के लिए लगभग 186 डॉलर प्रति टन तक का शुल्क लगाया है। सरकारी अधिसूचना में कहा गया है कि राजस्व विभाग ने व्यापार उपचार महानिदेशालय की सिफारिशों के आधार पर यह शुल्क लगाया है। कुछ घरेलू इस्पात उद्योगों ने चीन के इस्पात उत्पादों पर शुल्क लगाने के लिए संयुक्त रूप से आवेदन किया था।दरअसल जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड, सनफ्लैग आयरन एंड स्टील कंपनी, ऊषा मार्टिन, गेरदाऊ स्टील इंडिया, वर्धमान स्पेशल स्टील्स और जायसवाल नेको इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कुछ चुनिंदा इस्पात उत्पादों की जांच करने और उन पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने के लिये संयुक्त रूप से आवेदन किया था। डीजीटीआर ने अपनी डंपिंग रोधी जांच में कहा कि जांच की अवधि 2016-17 के दौरान चीन से 'मिश्रधातु इस्पात की सीधी लंबी सरिया और छड़ों' का डंपिंग आयात बढ़ा है।

आज का राशिफल

मेषः आज का दिन कुछ परेशानि भरा रहेगा। दूसरों के मामले में में ज्यादा दखल न दें अन्यथा मानहानि या अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

वृषभः घरेलू जीवन को लेकर मन के भीतर उथल पुथल रह सकती है। दिन के दूसरे प्रहर में तनाव और बढ़ सकता है। गृहस्थ जीवन में परेशानियों का अनुभव होगा।

मिथुनः आपके खर्चे कम हो जाएंगे। मन में शान्ति का अनुभव होगा लेकिन संतान पक्ष को लेकर कुछ चिन्ताएं अभी भी रह सकती हैं।

कर्कः अपनी मां के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अगर आपने प्रयास किया तो धन संचय के मामले में जरूर सफलता मिलेगी।

सिंहः आज के दिन जो भी काम करें उसमें अपना आत्म विश्वास बनाए रखें। आप अपने बिजनेस अथवा ऑफ़िस की ओर से लंबी यात्रा पर जा सकते हैं। आपकी यह यात्रा विदेश से जुड़ी हो सकती है।

कन्याः आज अपने आप के लिए कुछ समय निकालें। जीवनसाथी की भावनाओं को समझें। आपके किस्मत का सितारा बदल रहा है, लेकिन मजबूत इच्छशक्ति के बिना आप कामयाबी नहीं पा सकेंगे।

तुलाः किसी भी कार्य में आलस्य हानिकारक होगा, आपको अपने परिवार के स्वास्थ्य, बीमारी या अन्य किसी क्षति पर कुछ पैसा खर्च करना पड़ सकता है।

वृश्चिकः विदेश यात्रा का योग है, जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा, किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है, पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी।

धनुः विद्यार्थियों के लिए समय उत्तम है। संतान की ओर से शुभ समाचार मिल सकता है। वाद-विवाद से मानसिक कष्ट बढ़ेगा।

मकरः यदि आप आज कुछ नया शुरू करने की योजना बना रहे हैं, तो जल्दबाजी ना करें, सभी पक्षों का सही से मूल्यांकन करें उसके पश्चात ही कोई निर्णय करें।

कुंभः आज अपना मनोबल और रवैया सकारात्मक बनाए रखें। आपकी स्वास्थ्य सम्बन्धी चिंताए बढ सकती है। सहनशक्ति से काम ले और कार्यक्षेत्र में दूसरों के सामने अपने को असहज महसूस न होने दें।

मीनः आपको भरपूर भाग्य का सहारा मिलेगा। व्यापार अथवा कार्यक्षेत्र में दिन लाभप्रद रहेगा। पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वाह कर पाएंगे।

कार्तिक महीना: इस महीने में है तुलसी पूजन का बड़ा महत्व

हिंदू पंचांग के अनुसार हर महीने की अलग-अलग महिमा है। शास्त्रों में चातुर्मास में आने वाले कार्तिक मास को धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष देने वाला माना गया है। तुला राशि पर सूर्यनारायण के आते ही कार्तिक मास प्रारंभ हो जाता है। इस मास में तुलसी पूजा का बहुत महत्व है। भगवान श्रीकृष्ण ने इस मास की व्याख्या करते हुए कहा है,'पौधों में तुलसी मुझे प्रिय है, मासों में कार्तिक मुझे प्रिय है, दिवसों में एकादशी और तीर्थों में द्वारका मेरे हृदय के निकट है।' आंवले के फल व तुलसी-दल मिश्रित जल से स्नान करें तो गंगा स्नान के समान पुण्यलाभ होता हैं।

कार्तिक मास में मनुष्य की सभी आवश्यकताओं जैसे- उत्तम स्वास्थ्य, पारिवारिक उन्नति, देव कृपा आदि का आध्यात्मिक समाधान बड़ी ही आसानी से हो जाता है।

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप : आज से हंगरी में भारत के 30 पहलवान दिखाएंगे दम

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती दल बजरंग पूनिया के नेतृत्व में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में अपने पुराने इतिहास को बदलने की कोशिश करेगा. चैंपियनशिप आज (रविवार) से हंगरी में शुरू हो रही है. भारतीय दल इसकी शुरुआत से 10 दिन पहले ही यहां अभ्यास कर रहा है. भारतीय टीम नौ अक्टूबर को भारत से बुडापेस्ट के लिए रवाना हो गई थी, जबकि बजरंग, कुलदीप, गुरप्रीत और हरप्रीत टीम के आने के पहले से ही यहां मौजूद थे.

भारतीय गेंदबाज खलील अहमद वर्ल्ड कप 2019 खेलने का देख रहा है सपना

नई दिल्ली। भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद की नजरें अगले साल इंग्लैंड में होने वाले क्रिकेट वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया में जगह बनाने पर हैं. खलील ने एशिया कप में हांगकांग के खिलाफ डेब्यू किया था. उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जाने वाले पांच मैच की वनडे सीरीज के पहले दो मैचों के लिए टीम में चुना गया है. सीरीज का पहला मैच रविवार को खेला जाएगा. मैच से पहले खलील ने कहा, 'वर्ल्ड कप के लिए मेरे पास तैयारी के लिए यह अच्छा मौका है. वर्ल्ड कप में जाने के लिए मैं वनडे में ज्यादा से ज्यादा विकेट लेना चाहता हूं. अगर मुझे वर्ल्ड कप टीम में चुना जाता है, तो इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ेगा और मेरे ऊपर दबाव भी कम होगा.' अपने डेब्यू मैच के बारे में खलील ने कहा है कि वह उस

समय घबराए हुए थे. खलील ने कहा, 'मैं अपने पहले मैच में मैच में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद मुझे लगा कि मैं आगे भी अच्छा कर सकता हूं.'खलील ने अपनी टीम के सीनियर खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने कभी भी उन्हें नया खिलाड़ी जैसा महसूस नहीं होने दिया.राजस्थान के टोंक के रहने वाले खलील ने कहा, 'मुझे कभी भी महसूस नहीं हुआ कि मैं टीम में नया हूं. सीनियर खिलाड़ियों ने मेरा समर्थन किया. हर कोई मुझसे बातें कर रहा था और मेरा आत्मविश्वास बढ़ा रहा था.'

स्वाद और सेहत से भरपूर सेब की खीर

कितने लोगों के लिए : 5

सामग्री -

सेब- 500 ग्राम (मीडियम साइज के),फुल ैम दूध- 1 लीटर, चीनी-100 ग्राम, काजू- 2 बड़े टीस्पून (बारीक कटा), किशमिश- 2 बड़े टीस्पून, पिस्ता- 1/2 छोटी टीस्पून, इलायची पाउडर-1

टीस्पून, बेकिंग सोडा- 2 चुटकी

विधि-

सबसे पहले सेब को धोकर छील लें और बीज निकालकर कद्दूकस कर लें। अब एक पैन में दूध को उबालें। उबाल आने पर इसे चलाते हुए तब तक पकाएं, जब तक वह आधा न हो जाए। अब दूध में बेकिंग सोडा डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। उसके बाद दूध में कद्दूकस किया हुआ सेब डालें और चलाते हुए दूध के गाढ़ा होने तक पका लें। अब इसमें चीनी और मेवे डालें और चलाते हुए 2-3 मिनट तक पका लें। अब इसमें इलायची पाउडर डालकर मिक्स करें और गैस बंद कर दें। इसे सर्विंग बाउल में निकालें और गरमा - गरम या ठण्डी सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-64

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

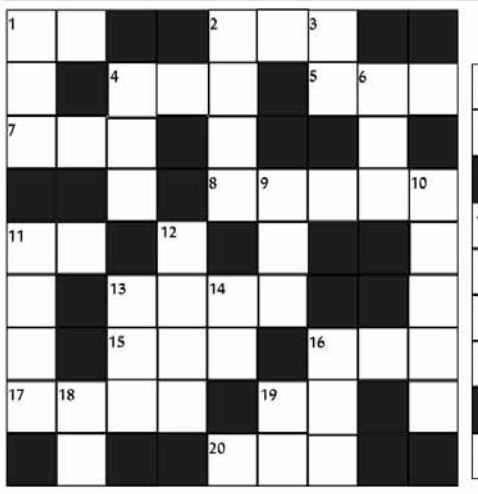

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 63 का हल

मै	दा	न		स	र	ग	म	
त्री		सी			क्षा		धु	र्री
	सा	ह	स				र	
स्वा	ग	त		स	म	झौ	ता	
व	र			र				म
लं		वि	ला	स			दा	म
बी	न		ज		सा	मा	न	ता
	ज		वा	हि	या	त		
त	र	की	ब		ना		खा	ली

सू-दोकू-64

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.63 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6